भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, मुख्यालय - ग्वालियर से संचालित

दैनिक पर्यटन समाचार

IITTM पर्यटन शिक्षा संस्कृति रक्षा

दिनांक: रविवार 01 अगस्त 2021 संपादकः प्रो. (डॉ.) आलोक शर्मा, निदेशक, भापयाप्रसं पृष्ठ 1

"किस्मत के भरोसे बैठने वालों को उतना ही मिलता है, जितना मेहनत करने वाले छोड़ देते हैं...!"

रविवार विशेषांक

सभी पाठकों को सादर नमस्कार!

प्रिय पाठकों, आज के रविवार विशेष अंक में पिछले अंक की **वन्यजीव पर्यटन अपनी यात्रा की निरंतरता को जारी रखते हुए चलते हैं मध्य प्रदेश के कुछ और बेहतरीन राष्ट्रीय उद्यानों की ओर...!!!**

मध्य प्रदेश भारत का एक बहुत प्रमुख राज्य है। देश के केंद्र में स्थित होने की वजह से मध्य प्रदेश को **"हिंदुस्तान का दिल" या "हृदयप्रदेश"** भी कहा जाता है जो यहां आने वाले पर्यटकों को अपने कई ऐतिहासिक स्मारकों, मंदिरों, किले, महलों से काफी आकर्षित करता है। मध्य प्रदेश की यात्रा करना किसी भी पर्यटक के लिए किसी सपने से कम नहीं है क्योंकि यहां पर कई राष्ट्रीय उद्यान और वाईल्डलाइफ सेंचुरी हैं, जिसमें कई लुप्तप्राय प्रजाति के वनस्पति और जीव भी पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश उन कुछ राज्यों में से एक है जो चारों और से कई राज्यों से घिरा हुआ है, इस राज्य की एक अलग बात यह भी है कि यह अपनी सीमा किसी भी देश के साथ साझा नहीं करता है।

कभी डकैतों और बंज़र बीहड़ों के रूप में कुख्यात 'मध्य प्रदेश', भारत के लगभग 12 प्रतिशत वन क्षेत्र का घर है। मोटे तौर पर 30 प्रतिशत भूभाग में घने जंगल हैं, जिससे पर्यावरण मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों के लिए उपयुक्त है। मध्य प्रदेश में 9 राष्ट्रीय उद्यान हैं, जो भारत के किसी भी राज्य के लिए सबसे अधिक हैं। इनमें से 6 टाइगर रिजर्व हैं, जो किसी भी राज्य में सबसे ज्यादा हैं। इसमें 25 वन्यजीव अभ्यारण्य भी हैं।

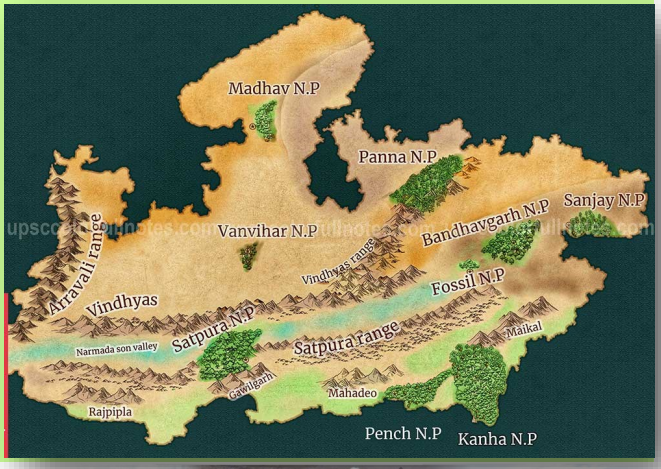

इन लोकप्रिय राष्ट्रीय उद्यानों की घनी लकड़ी दुनिया की कुछ सबसे दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों के वनस्पतियों और जीवों के लिए आश्रय प्रदान करती है। रॉयल बंगाल टाइगर, इंडियन व्हाइट टाइगर, इंडियन बाइसन, ब्लू बुल, रॉक पायथन, और असंख्य प्रकार के स्तनधारी, सरीसृप, पक्षी और कीड़े, पेड़ और झाड़ियाँ यहाँ पनपती हैं।

संपादक मण्डल - डॉ. सौरभ दीक्षित, डॉ. चन्द्रशेखर बरूआ. समाचार संग्रह व प्रस्तुति-मयंक दुबे. डिजाइन - दीपक मित्तल

06. पेंच राष्ट्रीय उद्यान - 'द जंगल बुक' की प्रेरणा

हरे-भरे इलाकों में बहने वाली राजसी पेंच नदी और चट्टानी इलाकों में विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों को देखने के साथ, पेंच नेशनल पार्क ने प्रसिद्ध उपन्यास 'द जंगल बुक' के लिए एक प्रेरणा के रूप में काम किया। नाव की सवारी पर वन्यजीव सफारी के साथ-साथ कई अलग-अलग अनुभवों का आनंद ले सकते हैं, जैसे कि आदिवासी जीवन की एक झलक और रास्ते में कुछ प्रसिद्ध स्थानीय बांधों और मंदिरों को देखना।

राष्ट्रीय उद्यान के बीच बहने वाली विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और जीवों और पेंच नदी के लिए घर, पेंच राष्ट्रीय उद्यान में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और सिवनी जिलों के घने जंगल हैं। जंगली जानवरों के कभी-कभार देखे जाने के साथ समृद्ध जंगली जंगलों का शांत वातावरण इस राष्ट्रीय उद्यान को एक आदर्श पर्यटन स्थल बनाता है।

वनस्पति और जीव:
वनस्पतियां: सागौन, बांस, सफेद कुल्लू (जिसे स्थानीय रूप से हरे रंग के समुद्र के बीच विशिष्ट सफेद रंग के कारण भूत के पेड़ के रूप में भी जाना जाता है) और महुआ के पेड़ों का मिश्रण।
जीव: रॉयल बंगाल टाइगर, तेंदुए, सुस्त भालू और चिंकारा जैसे जानवरों की कई नस्लें, भारतीय पित्त, मालाबार पाइड हॉर्नबिल, ग्रे-हेडेड फिशिंग ईगल और प्रवासी प्रजातियां जैसे भालू-हेडेड गीज़, ब्राह्मणी डक, कूट।

स्थान: पेंच राष्ट्रीय उद्यान, सिवनी और छिंदवाड़ा जिला, मध्य प्रदेश।
जाने का सबसे अच्छा समय: वन्य जीवन को देखने के लिए फरवरी से जून का समय सबसे अच्छा है।

07. संजय राष्ट्रीय उद्यान

यह मध्य प्रदेश के छोटे और कम ज्ञात राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है। संजय-दुबरी की दोहरी विशेषताएं हैं: संजय एक राष्ट्रीय उद्यान है और दुबरी एक वन्यजीव अभयारण्य है। दो कवर राज्य के भूभाग के 450 वर्ग किमी को मिलाते हैं।

संजय-दुबरी हिरण की विभिन्न प्रजातियों के लिए सबसे अधिक देखी जाने वाली जगह है। अद्वितीय भारतीय बार्किंग हिरण यहां अच्छी तरह से संरक्षित है। इस संयुक्त रिजर्व में वनस्पतियों और जीवों की सैकड़ों प्रजातियां हैं। इस क्षेत्र की नम पर्णपाती लकड़ी इसे सरीसृपों और कीड़ों के लिए उत्कृष्ट बनाती है। यह रिजर्व सर्प प्रेमियों को आकर्षित करता है।

यह कई जंगली जानवरों का घर है, जिसमें बाघ, तेंदुआ, सांभर हिरण, चिंकारा आदि की लुप्तप्राय प्रजातियां शामिल हैं। कुछ लोकप्रिय गतिविधियाँ जिन्हें पर्यटक संजय नेशनल पार्क में देख सकते हैं, तैर रहे हैं, देख सकते हैं, नौका विहार, प्रकृति की सैर आदि। पर्यटक पार्क के पास स्मृति चिन्ह की खरीदारी के लिए चमरदाडोल में जनजातीय हाट

भी जा सकते हैं।

वनस्पति और जीव:
वनस्पति: पलास, सलाई, धवाड़ा, गुरजन, महुआ, सेमल, हर्रा, बेर और तेंदु
जीव: बाघ, तेंदुआ, हिरण, सांभर हिरण, जंगली सूअर, चिंकारा, सिवेट, नील गाय, साही, रैकेट-टेल्ड ड्रोंगो, लेसर एडजुटेंट, भारतीय सफेद दुम वाले गिद्ध, मिस्र के गिद्ध और नाइटजर।

स्थान: संजय राष्ट्रीय उद्यान, सीधी जिला, मध्य प्रदेश
जाने का सबसे अच्छा समय: सितंबर से मार्च

08. वन विहार राष्ट्रीय उद्यान

अपनी हरी-भरी हरियाली के लिए प्रसिद्ध, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश के सबसे शानदार राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है। इसे एक प्राणी उद्यान के रूप में रखा गया है जहाँ आप कई जंगली जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकते हैं। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान की लोकप्रिय विशेषताओं में से एक सड़क है जो पर्यटकों के लिए आसान पहुँच प्रदान करती है।

यहां रखे गए अधिकांश जानवर ऐसे हैं जो या तो अनाथ हो गए थे या देश के अन्य चिड़ियाघरों से बदले बिना जंगलों से जानबूझकर कब्जा किए गए थे। यहाँ एक झील भी है जहाँ आप कई प्रवासी पक्षियों को देखने का आनंद ले सकते हैं जो सर्दियों के दौरान अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं।

वनस्पति और जीव:
वनस्पति: बेल, अमलतास, बाबुल (बबूल नीलोटिका), रेंझा, दूधी, लेंडिया, साजा (टर्मिनलिया अल्ता), आंवला और तेंदू।
जीव: पैंथर, लकड़बग्घा, सुस्त भालू, काला हिरण, जंगली सूअर, कछुआ, साही, तारा कछुआ, अजगर, लंगूर, आदि।

स्थान: वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल, मध्य प्रदेश
घूमने का सबसे अच्छा समय: जुलाई से सितंबर

09. जीवाश्म (फॉसिल) राष्ट्रीय उद्यान

एशिया का सबसे बड़ा जीवाश्म पार्क, यह प्राकृतिक अभ्यारण्य मध्य प्रदेश के सबसे दिलचस्प राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है जो पुरातत्वविदों और इतिहास प्रेमियों के लिए एक चुंबक के रूप में कार्य करता है। इस पार्क में देखने के लिए पौधों के जीवाश्मों के विभिन्न प्रमाण हैं। यह वही है जो विभिन्न कोनों से लोगों को राष्ट्रीय उद्यान की यात्रा के लिए आकर्षित करता है।

कटहल से लेकर केला तक, खजूर से लेकर नीम तक, बहुत सारे पौधों के जीवाश्म हैं जो इस प्राकृतिक वातावरण में देखे जा सकते हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान में एक संग्रहालय भी है जहाँ कोई भी अच्छी तरह से संरक्षित बीज और विभिन्न पत्ती के जीवाश्म देख सकता है। दोस्तों और छोटों के साथ आनंद लेने के लिए यह एक दिलचस्प जगह है।

फॉसिल नेशनल पार्क का एक अन्य आकर्षण एक छोटे से संग्रहालय की उपस्थिति है जहाँ पर कई संरक्षित बीज और पत्ती के जीवाश्म देखे जा सकते हैं। फॉसिल नेशनल पार्क का दौरा भौगोलिक क्षेत्र के लाखों साल पुराने इतिहास में कुछ अद्भुत अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और मनोरंजन के साथ एक महान शैक्षिक अनुभव भी प्रदान करता है।

स्थान: जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान, डिंडोरी जिला, मध्य प्रदेश
जाने का सबसे अच्छा समय: अक्टूबर से मार्च

संस्थान समाचार

आईआईटीटीएम में ओपन एयर थिएटर तैयार, एक्टर पीयूष मिश्रा करेंगे शुभारंभ

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट (आईआईटीटीएम) और कला समूह के संयुक्त तत्वावधान में 7 अगस्त को सूर्यपुत्र कर्ण नाटक का मंचन किया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने बॉलीवुड एक्टर पीयूष मिश्रा आ रहे हैं। पहले दिन वे नाटक का मंचन देखेंगे। इसके अगले दिन 8 अगस्त को संस्थान में तैयार हुए ओपन एयर थिएटर (ओएटी) का शुभारंभ करेंगे। 50 सीटर का यह ओएटी हाल ही में तैयार हुआ है। **संस्थान के डायरेक्टर प्रो. आलोक शर्मा ने बताया कि ग्वालियर में थिएटर टूरिज्म की संभावनाएं तलाशने के लिए एक्टर पीयूष मिश्रा से चर्चा भी करेंगे।**

जीत की हवस नहीं किसी पे कोई वश नहीं, क्या ज़िन्दगी है ठोकरों पे मार दो, मौत अंत है नहीं तो मौत से भी क्यूँ डरें, ये जाके आसमान में दहाड़ दो...

मुद्रा अद्यतन (##)

मुद्रा	मूल्य ₹
1 USD (US$)	74.41
1 EURO (€)	88.32
1 GBP (£)	103.48
1 JPY (¥)	0.678
1 AUD (A$)	54.64

(##) सभी आंकड़े लाइव मिड-मार्केट रेट हैं, जो उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं हैं और केवल सूचना के उद्देश्य से हैं।

अस्वीकरण: भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, ग्वालियर मुख्यालय द्वारा प्रस्तुत 'दैनिक पर्यटन समाचार' का मूल उद्देश्य पर्यटन अकादमिक जगत को दैनिक आधार पर हो रही घटनाओं व गतिविधियों से रूबरू कराना है, चूँकि पर्यटन जगत बहुत 'गतिक' (डायनेमिक) है। इस समाचार पत्र का स्त्रोत आधार विभिन्न सूचना माध्यमों से प्राप्त सम्प्रेषण है। अतः इनकी पुष्टि, संस्थान व संपादन मंडल नहीं करता है। हालांकि अकादमिक हित में इसकी प्रस्तुति केवल ज्ञान उन्नयन हेतु की जाती है।